

सीमा शर्मा

बरगढ़, उड़ीसा

ज़िन्दगी का इम्तिहान

सच कहते है वो ज़िन्दगी किसी के लिये नहीं रुकती।
किसी के आगे नहीं झुकती,
लेती है ये इम्तिहान हर कदम पर हमारा
बिना इम्तिहानों के इसकी राहें नहीं चलती।
तो क्यों बैठ जाऊँ मैं हारकर इन इम्तिहानों से
क्योंकि हार के बिना तो जीत भी नहीं मिलती।
गर जीतना है मुझे हर राह पर,
तो इस ज़िन्दगी को मुझे जीना ही होगा।
गर जीतना है मुझे हर राह पर,
तो इस ज़िन्दगी को मुझे जीना ही होगा।
पाने हैं गर खुशियों भरे फूल,
तो काँटो भरी राहों पर चलना भी होगा।
क्यूँ बिखर जाऊँ मैं हालातो से हारकर,
एक दिन इन हालातो को ही झुकना होगा।
जीतनी है मुझे गर इस ज़माने की हर बाजी
तो क्यूँ मैं किस्मतों से सौदा करूँ,
झुक जायें खुद किस्मत आकर मेरे कदमों में,
क्यूँ न मैं ऐसा कोई काम करूँ।

हिन्द की शान है हिंदी

हिन्द की धरा की तो पहचान है हिंदी।
हर भारतीय दिल की इक शान है हिंदी।
सारे जहां से अच्छा जो भारत महान है-
भारत की भूमि में गीता कुरान है हिंदी।।
रस छंद अलंकार से सजती रही हिंदी।
वीर रस में लिखते तो तलवार भी हिंदी।
रूप रंग प्रेम का श्रृंगार कर सजी-
निर्मल हृदय की इक सुविचार भी हिंदी।।
भारतेंदु की गंगा तो केशव की कालिंदी।
वात्सल्य से भरी हुई माथे की ये बिंदी।
सरयू बन बहती है ये मानस में तुलसी के-
यमुना चरण पखारे, सूर-श्याम की हिंदी।।
संवेदनाओं की सदा अनुगूंज है हिंदी,
मां भारती के भाल पर एक पुंज है हिंदी,
आन मान शान और जान है हिंदी
गर्वीली मातृभाषा में अभिगुंज है हिंदी।।
समाज की समरसता की, पहचान ये हिंदी
विज्ञान ज्ञान ध्यान की बनी है जान ये हिंदी
अखण्डता समग्रता रखती, ये मिटाए विषमता
भाषाओं के इक स्वर में संविधान है हिंदी।।